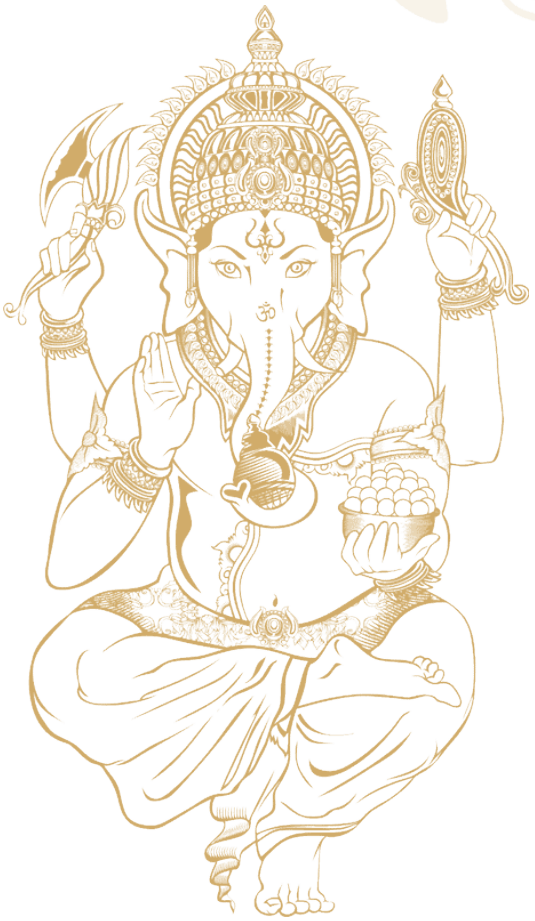

Pranjal Bhoi

Shreeya sahu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121220403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/08/1996	जन्म तिथि	21-22/03/1998
शुक्रवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 17:45:00	जन्म समय	05:45:00 घंटे
घटी 30:22:58	जन्म समय(घटी)	59:08:48 घटी
India	देश	India
Mahasamund	स्थान	Raipur
21:06:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
82:06:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:01:36	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:35:48	सूर्योदय	06:07:04
18:39:59	सूर्यास्त	18:14:15
23:48:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:50

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 4वर्ष 4मा 0दि		02:56:45	मक	लग्न	कुंभ	29:18:05	शुक्र 16वर्ष 6मा 21दि	
बुध		16:39:31	कर्क	सूर्य	मीन	07:20:33	चन्द्र	
03/12/2019		29:43:18	कुंभ	चंद्र	धनु	15:37:39	11/10/2020	
02/12/2036		11:22:38	मिथु	मंगल	मीन	19:30:46	12/10/2030	
बुध	01/05/2022	07:31:17	सिंह	बुध	मीन	25:29:35	चन्द्र	12/08/2021
केतु	28/04/2023	15:34:33	धनु व	गुरु	कुंभ	17:03:16	मंगल	13/03/2022
शुक्र	26/02/2026	02:19:57	मिथु	शुक्र	मक	21:00:04	राहु	12/09/2023
सूर्य	02/01/2027	13:24:35	मीन व	शनि	मीन	26:42:10	गुरु	11/01/2025
चन्द्र	03/06/2028	17:16:05	कन्या व	राहु व	सिंह	15:39:30	शनि	12/08/2026
मंगल	31/05/2029	17:16:05	मीन व	केतु व	कुंभ	15:39:30	बुध	11/01/2028
राहु	18/12/2031	08:28:05	मक व	हर्ष	मक	17:38:36	केतु	11/08/2028
गुरु	25/03/2034	02:09:35	मक व	नेप	मक	07:49:22	शुक्र	12/04/2030
शनि	02/12/2036	06:32:28	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:12:00	सूर्य	12/10/2030

लग्न-चलित

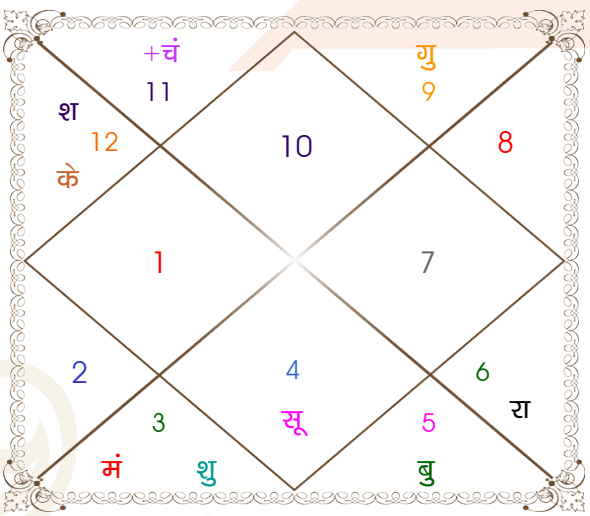

लग्न-चलित

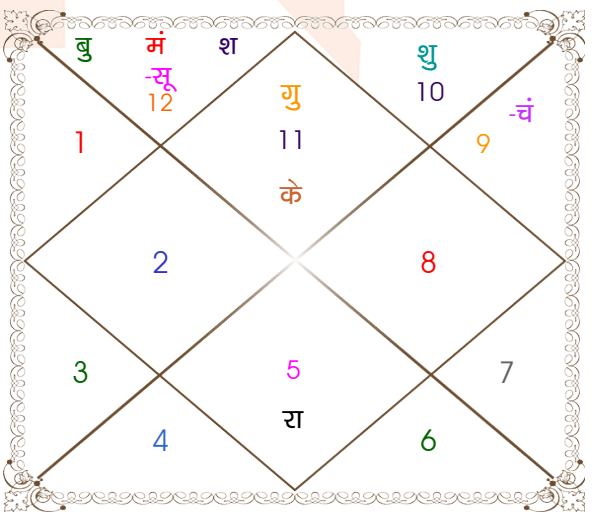

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

Pranjal Bhoi का वर्ग सर्प है तथा ौतममलं ौन का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pranjal Bhoi और ौतममलं ौन का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Pranjal Bhoi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ौतममलं ौन मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Pranjal Bhoi तथा ौतममलं ौन में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।